AGPE THE ROYAL GONDWANA RESEARCH JOURNAL
OF HISTORY, SCIENCE, ECONOMIC, POLITICAL AND SOCIAL SCIENCE
ISSN (E): 2583-1348 | A Peer reviewed | Open Access & Indexed
Volume 05 | Issue 10 | October 2024 | www.agpegondwanajournal.co.in | Page No. 19-23

छात्राओं द्वारा विभिन्न कार्यो में मोबाइल फोन के प्रयोग का अध्ययन

(ए. के. एस विश्वविद्यालय के विशेष संदर्भ में)

डॉ. पुष्पा सोनी[1] , संतोष सोनी[2] , सीमा द्विवेदी[3]

1. सहायक प्राध्यापक (कला विभाग) ए. के. एस. विश्वविद्यालय सतना (म0प्र0)
2. सहायक प्राध्यापक (कंप्युटर विभाग) ए. के. एस. विश्वविद्यालय सतना (म0प्र0)
3. सहायक प्राध्यापक (शिक्षा विभाग) ए. के. एस. विश्वविद्यालय सतना (म0प्र0)

सारांश –

वर्तमान समय में मोबाइल फोन एक उपयोगी तथा महत्वपूर्ण संचार साधन माना जाता है तथा यह समाज का एक अभिन्न अंग वन गया हैं। संसार का कोई वर्ग इससे अछुता नहीं रह गया है तथा इसने संचार कार्य को आसान तथा सुविधाजनक बना दिया हैं। प्रस्तुत अध्ययन में छात्राओं में मोबाइल फोन के उपयोग को जानने को जानने का प्रयास किया गया हैं। आज के आधुनिक युग में हर छात्रा के पास लगभग मोबाइल फोन उपलब्ध होता है और वह अधिकतर कार्यो में मोबाइल फोन का उपयोग करती है तथा विद्यार्थीयो के लिए मोबाइल फोन सम्पन्न एवं प्रतिष्ठा का विषय बन गया है।

प्रस्तावना –

वर्तमान समय में सूचना प्रोद्योगिकी का तेजी से विकास हो रहा है हमें हर समय इसकी आवश्यकता होती है तथा दिनप्रतिदिन प्रत्येक स्थान चाहे हम कहीं पर भी हो हम इसका उपयोग करते हैं। वर्तमान समय में छात्राओं के लिए मोबाइल एक महत्वपूर्ण उपकरण है जो आधुनिक युग में सभी वर्गो में मुख्य रूप से प्रचलित उपकरण हैं। आज के युग में स्मार्टफोन के बिना जीवन अधूरा है। यह अब सिर्फ बातचीत तक सीमित न रह कर अनेक प्रकार जैसे – शिक्षा, सामाजिक, खरीदारी, संदेश, संगीत, फोटो खीचने, मनोरंजन, समाचार, गणना आदि में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा हैं। छात्राओं में किसी प्रकार की जानकारी चाहे वह किसी भी विषय में हों वह मोबाइल फोन के माध्यम से तुरंत प्राप्त करती हैं। आज मोबाइल पर इंटरनेट की मदद से कहीं भी बैठे वाछित सामग्री को डाउन लोड कर सके और उसका प्रिंट लेकर अपनी पढ़ाई को गति प्रदान कर रहा हैं। इसके अतिरिक्त देश – विदेश कॉलेजों में प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा परिणामों, नौकरी आदि से संबंधित भरपूर जानकारी भी वह इसी से एकत्रित करता है।

मोबाइल फोन पिछले कुछ दशकों में सबसे तेजी से बढ़ती प्रोद्योगिकीओं में से एक है इसकी शरूआत केवल डायल करने और कॉल प्राप्त करने के लिए उपकरण के रूप में हुई थी लेकिन कई आवश्यकताओं के

CORRESPONDING AUTHOR:	RESEARCH ARTICLE
Dr. Pushpa Soni Asst. Professor, Faculty of Arts, A.K.S. University, Satna, Madhya Pradesh, India. Email: pushpasoni25@gmail.com	

कारण तथा सुविधा के कारण इसमें कई तरह के परिवर्तन हुए हैं।

वर्तमान समय में स्कूल, कॉलेजों एवं विश्वविद्यालय में पढ़ने वाले छात्रों के लिए मोबाइल फोन रखना जरूरी है क्योंकि शिक्षा से संबंधित सभी प्रकार के कार्य को ऑनआइन कर दिया है तथा हर कोई लैपटॉप या कंप्यूटर नहीं खरीद सकता है जिसके कारण मोबाइल एक सस्ता विकल्प भी है।

अध्ययन का महत्व –

आज मोबाइल फोन सभी की जिंदगी का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया है। मोबाइल ने हर क्षेत्र में क्रांति ला दी है। अपने विभिन्न इस्तेमालों के कारण मोबाइल फोन को काफी प्रचलित हो चुका है। समाज का हर वर्ग अपनी अपनी आवश्यकता के अनुसार इससे लाभ उठा रहा हैं। छात्र बर्ग भी इससे अछुता नहीं हैं। स्कुल, कॉलेज, विश्वद्यियालय के छात्र की पहली पसंद मोबाइल फोन बन चुका है। परन्तु उपयोग का यह दयरा शिक्षा तक सीमित न होकर वह कई और क्षेत्रों में फैलता जा रहा हैं। जिसमें हम छात्रों के द्वारा मोबाइल फोन के अलग – अलग उपयोग उनके मोबाइल फोन में व्यस्त रहने तथा दिन के कई घण्टे मोबाइल फोन में बिताने से मोबाइल पर अत्यधिक जुड़ाव एवं निर्भर होते जा रहे हैं।

अध्ययन का उदेदश्य –

(1) प्रस्तुत अध्ययन में छात्राओं में विभिन्न कार्यों में मोबाइल फोन के प्रयोग को ज्ञात कराना।

(2) प्रस्तुत अध्ययन में छत्राओं द्वारा विभिन्न कार्यो में मोबाइल फोन के प्रयोग का समय ज्ञात करना।

अध्ययन की प्रविधि –

प्रस्तुत अध्ययन में मुख्य रूप से छात्राओं में मोबाइल फोन के प्रयोग के अध्ययन हेतु एक प्रश्नावली तैयार की गयी थी तथा द्वितीयक तथ्यों का उपयोग किया जाएगा जिससे विषय से सम्बधित पूर्व अध्ययनों, समाचार पत्र, प्रत्रिकाओं, में प्रकाशित लेखों उपयोग किया गया।

प्रस्तुत अध्ययन के लिए वर्णनात्मक अनुसंधान प्रारूप का चयन किया गया है क्योंकि इस अध्ययन का उद्देश्य छात्राओं में मोबाइल फोन के प्रयोग के अध्ययन करना है जिसमें अध्ययन हेतु मध्यप्रदेश राज्य के सतना जिले के ए. के. एस. विश्वविद्यालय के छात्राओं का चयन किया गया हैं। अध्ययन में 150 छात्राओं का चयन दैव – निदर्शन की लॉटरी प्रणाली द्वारा किया गया है। छात्राओं की आयु (16–23) वर्ष हैं।

पूर्व में किये गये शोध अध्ययन –

(1) डॉ. मिश्रा यतीन्द्र एवं माधुरी (2022), किशोरों पर मोबाइल फोन/स्मार्ट फोन का प्रभावः एक समाजशास्त्रीय अध्ययन, हुयनचिज एण्ड डेवलपमेंट, स्मार्ट फोन की लत ने किशोरों को मनोवैज्ञानिक रूप से बुरी तरह से प्रभावित किया है इस प्रकार से किशोरो पर स्मार्ट फोन उपयोग का प्रभाव नकारात्मक रूप में देखा गया हैं।

(2) डॉ. लोटिका अमित एवं परवीन रेशमा (2021) जुलाई, किशोरावस्था में मोबाइल फोन के बढ़ते उपयोग एवं प्रभाव उत्तराखण्ड (जसपुर ब्लॉक) के विद्यालयों का एक अध्ययन, इंडियन जर्नल ऑफ रिसर्च, इस अध्ययन का उददेश्य किशोरों पर स्मार्टफोन के प्रभाव को जॉच कर यह पाया कि किशोरों पर स्मार्ट फोन उपयोग का प्रभाव नकारात्मक रूप में देखा गया हैं।

(3) मिश्रा रश्मि एवं शर्मा गुंजन (2022), ग्रामीण शहरी विद्यार्थियों के विकास पर मोबाइल फोन के उपयोग के प्रभाव का तुलनात्मक अध्ययन शोध संगम, अध्ययन में ग्रामीण छात्र – छात्राओं विकास पर मोबाइल फोन के उपयोग के प्रभाव में सार्थक अंतर नहीं पाया गया।

(4) सिंह राज विजय, रावत तृप्ति एवं कुमार संजीत (2020) स्मार्टफोन का नैनीताल के युवाओं पर प्रभाव, जर्नल ऑफ उत्तराखण्ड एकेडिमिक ऑफ एडमिस्ट्रेशन नैनीताल, अध्ययन में पाया कि युवा शारीरिक खेलों को छोड़कर स्मार्टफोन के साथ कमरे में बैठकर घण्टों गेम खेल रहे है तथा स्मार्ट फोन के अध्यधिक प्रयोग से होने वाले नुकसानों की जानकारी का अभाव युवाओं में देखा गया हैं।

(5) डॉ. श्रीवास्तव मधुलिका एवं तिवारी कुमार राकेश (2019) वर्तमान समाज पर मोबाईल/सेलफोन का प्रभाव, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिवयु एण्ड रिसर्च इन सोशल साइंस, पारिवारिक तथा सामाजिक संबंधो में दुरिया पैदा करने के साथ ही साथ ही युवा वर्ग में भ्रम तथा आत्ममुग्धता का कारण बन रहा है। बच्चों में यह एक तरफ जहॉ मनोरंजन के स्वस्थ साधनों के प्रयोग को कम करने का खतरा पैदा करता है, वही दूसरी ओर माता – पिता के साथ पर्याप्त समय न बिता पाने के कारण एकांकीपन के बोझ को भी बढ़ाता हैं।

(6) कुमार सतीश एवं डॉ. संगवान अमित (2019) विश्वविद्यालय के विधार्थियों द्वारा स्मार्टफोन की उपयोगिता (हरियाणा के विश्वविद्यालय के संदर्भ में एक अध्ययन) जर्नल ऑफ एडवांस एण्ड इस्कोलरी रिसर्च इन अलाइड एजुकेश, अध्ययन में यह पाया गया कि अधिकतर विद्यार्थी अध्ययन के दौरान स्मार्ट फोन का प्रयोग नहीं करते तथा परीक्षा की तैयारी के लिए विद्यार्थी स्मार्ट फोन में नोटस और विशेषज्ञों के व्याख्यान अधिक सूनते हैं।

तथ्यों का सारणीयन तथा विश्लेष्ण –

मोबाइल फोन हमारे जीवन का अमूल्य अंग बनता जा रहा हैं। मोबाइल फोन का उपयोग हमारे कार्यो का आसान बनाता है। प्रस्तुत सारणी में छात्राओं द्वारा मोबाइल के प्रयोग किस कार्य में करती है यह ज्ञात करने की कोशिश की गई है

क्र.	कार्य	हमेशा (आ/प्र)	कभी–कभी (आ/प्र)	कभी नहीं (आ/प्र)	योग (आ/प्र)
1	शिक्षा कार्य में	132/88	16/10.6	2/1.4	150/100
2	गेम खेलने में	21/14	75/50	54/36	150/100
3	सोशल मीडिया में	66/44	75/49.4	10/6.6	150/100
4	ऑनलाइन खरीदारी में	45/30	82/54.6	23/15.4	150/100
5	बैंकिग में	44/29.4	47/31.3	59/39.3	150/100
6	संदेश भेजने में	97/64.6	48/32	5/3.4	150/100
7	संगीत सुनने में	98/65.4	51/34	1/0.6	150/100
8	कॉल करने में	134/89.4	16/10.6	0/0	150/100
9	फोटो खीचने में	99/66	50/33.4	1/0.6	150/100
10	वीडियो देखने में	82/54.6	62/41.4	6/4	150/100
11	मेल भेजने में	51/34	75/50	24/16	150/100
12	गणना करने में	32/21.4	85/56.6	33/22	150/100
13	समाचार देखने में	64/42.6	65/43.4	21/14	150/100
14	नौकरी खोजने में	62/41.3	68/45.4	20/13.3	150/100

अधिकतर (प्रस्तुत अध्ययन से यह प्राप्त हुआ है कि शिक्षा कार्य (88%), संदेश भेजने में (64.6%), संगीत सुनने में (65.4%) कॉल करने में (89.4%), फोटो खीचने में (66%) विडियों देखने में (54.6%) हमेशा मोबाइल का प्रयोग करती है तथा गेम खेलने में (50%) सोशल मीडिया में (49.4%) ,ऑनलाइन खरीददारी में (54.6%) मेल भेजने में (50%) गणना करने में (56.6%) समाचार देखने में (43.4%) नौकरी खोजने में (45. 4%) कभी – कभी मोबाइल का प्रयोग करती है तथा बैकिंग कार्य में (39.8%) मोबाइल का प्रयोग कभी नहीं करते ।

व्यक्ति के जीवन में समय का अत्यधिक महत्व है क्योकि यदि समय का अच्छे से उपयोग करने से हमें अपने आप को संयमित करते है हम समय की साथ अपने कार्यो को अच्छी तरह से संयोजित कर पाते है प्रस्तुत सारणीयन मे हम छात्राओं द्वारा मोबाइल फोन के उपयोग में समय के निर्धारण तथा मोबाइल में अलग – अलग कार्यों में लगने वाले समय को दर्शाया गया है।

क्र.	कार्य	कोई समय नहीं (आ / प्र)	1 घण्टे से कम (आ / प्र)	1–2 घण्टे (आ / प्र)	3–4 घण्टे (आ / प्र)	5–6 घण्टे (आ / प्र)	7–8 घण्टे (आ / प्र)	8 घण्टे से अधिक (आ / प्र)	योग (आ / प्र)
1	शिक्षा कार्य में	2 / 1.4	14 / 9.3	61 / 40.6	47 / 31.3	17 / 11.4	7 / 4.6	2 / 1.4	150 / 100
2	गेम खेलने में	54 / 36	79 / 52.6	8 / 5.4	6 / 4	3 / 2	0 / 0	0 / 0	150 / 100
3	सोशल मीडिया में	10 / 6.6	48 / 32	65 / 43.4	22 / 14.7	3 / 2	0 / 0	2 / 1.4	150 / 100
4	ऑनलाइन खरीदारी में	23 / 15.4	108 / 72	17 / 11.4	1 / 0.6	1 / 0.6	0 / 0	0 / 0	150 / 100
5	बैंकिग में	59 / 39.3	78 / 52	9 / 6	4 / 2.7	0 / 0	0 / 0	0 / 0	150 / 100
6	संदेश भेजने में	5 / 3.4	99 / 66	36 / 24	5 / 3.4	3 / 2	1 / 0.6	1 / 0.6	150 / 100
7	संगीत सुनने में	1 / 0.6	75 / 50	64 / 43.4	8 / 5.4	1 / 0.6	0 / 0	0 / 0	150 / 100
8	कॉल करने में	0 / 0	89 / 59.4	48 / 32	10 / 6.6	1 / 0.6	0 / 0	2 / 1.4	150 / 100
9	फोटो खीचने में	1 / 0.6	110 / 73.4	30 / 20	6 / 4	2 / 1.4	0 / 0	1 / 0.6	150 / 100
10	वीडियो देखने में	6 / 4	94 / 62.6	35 / 23.4	11 / 7.4	3 / 2	1 / 0.6	0 / 0	150 / 100
11	मेल भेजने में	24 / 16	113 / 75.4	10 / 6.6	3 / 2	0 / 0	0 / 0	0 / 0	150 / 100
12	गणना करने में	33 / 22	96 / 64	17 / 11.4	2 / 1.4	2 / 1.4	0 / 0	0 / 0	150 / 100
13	समाचार देखने में	21 / 14	94 / 62.6	31 / 20.7	4 / 2.7	0 / 0	0 / 0	0 / 0	150 / 100
14	नौकरी खोजने में	20 / 13.4	89 / 59.4	34 / 22.6	5 / 3.4	1 / 0.6	1 / 0.6	0 / 0	150 / 100

उपयुक्त तालिका द्वारा यह ज्ञात हुआ है कि 1 घण्टे से कम समय में छात्राएँ गेम खेलने (52.6%), ऑनलाइन खरीददारी (72%), संदेश भेजने (66%), संगीत (50%), कॉल करने (59.4%) फोटो खीचने में (73. 4%), विडियों देखने में (62.6%), गणना करने (64%),समाचार देखने (62.6%) नौकरी खोजने में (59.4%), दिन में अपना समय बिताती है तथा 1 से 2 घण्टे का समय शिक्षाकार्य (40.6%) तथा सोशल मीडिया में (43. 4%) का एक दिन में समय विताती है।

निष्कर्ष –

कहा जाता है कि आवश्यकता अविष्कार की जननी है तथा हम अपनी अवश्यकता के अनुरूप हर वस्तु का इस्तेमाल करते है परन्तु वर्तमान में मोबाइल का उपयोग अवश्यकता न होकर एक शौक हो गया है तथा समय विताने का एक यंत्र बन गया है प्रस्तुत अध्ययन में हमें यह पाया गया है कि अधिकतर छात्राएँ मोबाइल फोन का उपयोग शिक्षा कार्य तथा सोशल मीडिया में अपना समय विताती है तथा इसके अलावा अन्य कार्य जो मनोरंजन के लिए बनाये गये है जैसे संगीत, सुनना, फोटो खीचना, कॉल करना, समचार, नौकरी खोजना तथा वीडियो देखना ये सभी कार्य में 1 घण्टे से भी कम समय विताती है।

सुझाव –

प्रस्तुत शोध अध्ययन में प्राप्त निष्कर्षो के आधार पर छात्राओं के लिए सुझाव उपयोगी सिध्द हो सकते है।

(1) मोबाइल फोन का प्रयोग ज्यादा लम्बे समय तक प्रयोग करने से बचने की कोशिश करें।

(2) मोबाइल फोन का प्रयोग सीमित कार्यो के लिए करना चाहिए।

(3) मोबाइल फोन का प्रयोग आवश्यकता के अनुसार करना चाहिए।

सन्दर्भ ग्रंथ –

1 विद्यार्थी जीवन में मोबाइल फोन का प्रभाव 1 फरवरी 2021, P–3

2 डॉ. मिश्रा यतीन्द्र एवं माधुरी (2022), किशोरों पर मोबाइल फोन/स्मार्ट फोन का प्रभावः एक समाजशास्त्रीय अध्ययन, हुयनचिज एण्ड डेवलपमेंट, पृ. सं. 36

3 डॉ. लोटिका अमित एवं परवीन रेशमा (2021) जुलाई, किशोरावस्था में मोबाइल फोन के बढ़ते उपयोग एवं प्रभाव उत्तराखण्ड (जसपुर ब्लॉक) के विद्यालयों का एक अध्ययन, इंडियन जर्नल ऑफ रिसर्च, P-131,

4 मिश्रा रश्मि एवं शर्मा गुंजन (2022), ग्रामीण शहरी विद्यार्थियों के विकास पर मोबाइल फोन के उपयोग के प्रभाव का तुलनात्मक अध्ययन शोध संगम, P-831-840

5 सिंह राज विजय, रावत तृप्ति एवं कुमार संजीत (2020) स्मार्टफोन का नैनीताल के युवाओं पर प्रभाव, जर्नल ऑफ उत्तराखण्ड एकेडिमिक ऑफ एडमिस्ट्रेशन नैनीताल, P-55-69

6 डॉ. श्रीवास्तव मधुलिका एवं तिवारी कुमार राकेश (2019) वर्तमान समाज पर मोबाईल/सेलफोन का प्रभाव, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिवयु एण्ड रिसर्च इन सोशल साइंस, P-537-543

7 कुमार सतीश एवं डॉ. संगवान अमित (2019) विश्वविद्यालय के विधार्थियों द्वारा स्मार्टफोन की उपयोगिता (हरियाणा के विश्वविद्यालय के संदर्भ में एक अध्ययन) जर्नल ऑफ एडवांस एण्ड इस्कोलरी रिसर्च इन अलाइड एजुकेश, P-43-47,

■ ■ ■